ALFAVISION OVERSEAS INDIA LTD.

Date: August 16th, 2024

To,
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai - 400 001

Scrip Code: 531156
Trading Symbol: ALFAVIO

Dear Sir,

Subject: Newspaper Advertisement-Unaudited Financial Results for the quarter ended June 30, 2024.

Pursuant to Regulations 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed herewith the newspaper advertisement for the unaudited Financial Results of the Company for the quarter ended June 30th, 2024, published on 15th August, 2024 in the newspaper "Global Herald."

These are also being made available on the Company's website at www.alfavisionoverseasindia.com.

This is for your information and records.

Thanking you,

Yours faithfully,
For Alfavision Overseas (India) Limited

DEVI DAYAL
Digitally signed by DEVI DAYAL
Date: 2024.08.16 12:36:17 +05'30'

Devi Dayal
Company Secretary
& Compliance Officer

न्यूज ब्रीफ

पुलिसकर्मियों पर एआई की नजर... डीसीपी ने पहली बार में उठक-बैठक के ठिकाने पकड़े

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। गश्त करने वाले पुलिसकर्मी अब झूठ नहीं बोल सकेंगे। डीसीपी एआइ से निगरानी कर रहे हैं। शुरूआत में ही उठक-बैठक के ठिए पकड़े गए हैं। उस क्षेत्र को भी ढूंढ लिया, जहां पुलिसवाले गप्प ही नहीं। लापरवाह तलब हो रहे हैं। सुधार नहीं करने पर सजा भी मिलेगी। टीआइ की जिम्मेदारी तय होगी। डीसीपी जोन-दो अभिनय विश्वकर्मा के मुताबिक निगरानी का उद्देश्य गश्त को प्रभावी बनाना है। प्रतिदिन थानों से हरेक बीट में गश्ती दल रवाना होता है। अभी तक पुलिसकर्मी एक-दो जगह भ्रमण कर होटल या कार में सो जाते थे। इससे क्षेत्र में चोरी, लूट और डकैती जैसी घटनाएं बढ़ रही थीं। डीसीपी ने खुद डिजिटल निगरानी का प्लेटफार्म तैयार किया है। गश्त करने वाले पुलिसकर्मी थाने के ग्रुप में लोकेशन के साथ फोटो साझा करेंगे। अगले दिन डीसीपी कार्यालय में अक्षांश देशांतर के माध्यम से हिटमैप तैयार किया जाएगा। इस पर पुलिसकर्मियों की लोकेशन का पता चल जाएगा। यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि पुलिसकर्मी कब-कब कहां-कहां गए हैं। किस क्षेत्र में गए ही नहीं।

बांग्लादेश पर सर्जिकल स्ट्राइक करे सरकार! बीजेपी नेता का बड़ा बयान, हमला करने की मांग

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के नित नए समाचार सामने आ रहे हैं। शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां हिंदुओं पर हमले बढ़ गए हैं, उनकी संपत्ति लूटी जा रही है, हत्याएं की जा रही हैं और घरों-मंदिरों को आग के हवाले किया जा रहा है। बांग्लादेश के हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों ने उनके साथ हो रहे अन्याय की खिलाफत करते हुए ढाका में बड़ा प्रदर्शन भी किया। मध्यप्रदेश में भी बांग्लादेशी हिंदुओं इंल्लीं ' हिंदूल्लीं' पर हो रहे अत्याचार पर लोग उबल रहे हैं। इसी क्रम में बीजेपी के एक नेता ने हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बड़ा बयान दिया है। प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में खूब प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अब यहां के एक बीजेपी नेता ने हिंदुओं को बचाने के लिए केंद्र सरकार से बांग्लादेश पर सर्जिकल स्ट्राइक करने की मांग कर डाली है। बीजेपी नेता संजय शुक्ला ने हिंदुओं की सुरक्षा के वास्ते इस सख्त कार्रवाई की वकालत की है। बांग्लादेश में सर्जिकल स्ट्राइक की मांग करते हुए उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को सपोर्ट करने एजेंट के लिए पत्र लिखा है। पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा है कि हिंदुओं को बचाने के लिए बांग्लादेश पर हमला किया जाए। वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं, युवतियों से दुष्कर्म किए जा रहे हैं, हत्याएं की जा रही हैं। ऐसी स्थिति में बांग्लादेश पर सर्जिकल स्ट्राइक के रूप में हमला कर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बेटी की पढ़ाई के लिए इंदौर आए और 10 हजार पेड़ों को बना लिया अपना 'बेटा'

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों दुष्यंत कुमार की इन पंक्तियों को साकार होते देखना है तो आपको पिपलियाहाना में विकसित हो रहे सिटी फॉरेस्ट तक आना होगा। यहां लहलहाते जंगल को देख सहज ही अनुमान नहीं होता कि यह सिर्फ 2 वर्षों की मेहनत का नतीजा है। यह मेहनत है इंदौर की उजड़ती आबोहवा से आहत एक ऐसे व्यक्ति की, जो सिर्फ अपनी बेटी की पढ़ाई के सिलसिले में छिंदवाड़ा से इंदौर आया था। बेटी कमरा लेकर अकेली रहने से यहां खुश नहीं थी। ऐसे में माता-पिता सब कुछ छोड़कर बेटी को सपोर्ट करने इंदौर ही आ गए। यहां बेटी तो पढ़ाई के सिलसिले में घर से बाहर रहती, लेकिन पिता दिनभर घर बैठे रहते। ऐसे में पिता को सूझा कि उन्हें अपने शौक पर कुछ काम करना चाहिए। चूंकि वे किसान हैं और उन्हें बागवानी में आनंद मिलता है, इसलिए वे नगर निगम गए और शहर में पेड़-पौधे लगाने के अपने शौक के बारे में बताया। निगम ने उनका जुनून देखते हुए उन्हें शहर में सिटी फॉरेस्ट डेवलप करने का टेंडर भरने को कहा। संयोग से उनके दाम कम थे, तो टेंडर उन्हें मिल भी गया। इसके बाद नगर निगम द्वारा दी गई बंजर जमीन को पति-पत्नी ने मिलकर केवल 2 वर्षों में लहलहाते जंगल में बदल दिया।

लहसुन सब्जी भी है, किसान उसे उपज मंडी के अलावा सब्जी मंडी में सीधे बेच सकते है

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। लहसुन की बिक्री को लेकर हाईकोर्ट ने किसानों को राहत दी है। पहले इसे किसान सिर्फ उपज मंडी में बेच सकते है, लेकिन कोर्ट ने इसे सब्जी भी माना है और किसान उसे सीधे सब्जी मंडी में भी बेच सकते है। हाईकोर्ट की इंदौर बैंच ने 9 साल पुराने मामले में फैसला सुनाया है। मंडी अधिनियम के तहत लहसुन को चटनी व मसाला श्रेणी में मानकर रखा जाता था, लेकिन अब इस उपज को अनाज मंडी के साथ सब्जी मंडी में भी बेचा जा सकेगा। विक्री के ज्यादा विकल्प नहीं होने के कारण कई बार किसानों को लहसुन के ज्यादा दाम नहीं मिल पाते थे। कोर्ट ने कहा कि किसान अपनी उपज कहीं भी बेच सकता है। किसान के पास लहसुन को कृषि उपज मंडी में बेचने या थोक खरीदार को बेचने का विकल्प रहेगा और वह सब्जी मंडी में कमिशन एजेंट के जरिए भी लहसुन को बेच सकता है। इंदौर में लहसुन अलग मंडी में मिलता था और बाकी सब्जियां अलग बिकती है। अब लहसुन सब्जी मंडी में भी बिकते नजर आएंगे। प्याज को पहले ही सब्जी की कैटेगरी में रखा गया है, लेकिन लहसुन को मसाला या चटनी माना जाता था। दरअसल आलू प्याज एसोसिएशन ने रिव्यू याचिका लगाई थी। बोर्ड ने लहसुन को कृषि उपज मंडी में बेचने के निर्देश दिए थे। वर्ष 2016 में इस आदेश के खिलाफ एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में अपील की थी। तब सिंगल बैंच ने एसोसिएशन के पक्ष में फैसला सुनाया था, लेकिन बाद में फिर इस मामले में रिव्यू याचिका लगाई थी तो हाईकोर्ट ने लहसुन को चटनी मसाला श्रेणी में रख दिया था। नए सिरे से लगी रिव्यू याचिका में हाईकोर्ट ने वर्ष 2017 के आदेश को बहाल कर दिया।

तहसीलदार और पटवारी पर फायरिंग, नपती के दौरान जान बचाकर भागे

भोपाल ■

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां जमीन की नपती करने पहुंचे तहसीलदार और पटवारी पर एक सुरक्षा गार्ड ने फायरिंग कर दी। घटना के समय मौजूद लोगों ने इस पूरे वाकये का वीडियो भी बना लिया, जिससे घटनास्थल पर मौजूद तनाव की स्थिति साफ दिखाई दे रही है।

जानकारी के मुताबिक मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र का है। इलाके के अरबिंदो अस्पताल और पटेल परिवार के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जब तहसीलदार और पटवारी जमीन की नपती करने पहुंचे और बुलडोजर के माध्यम से कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू हुई, तो मौके पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के बाद तहसीलदार और पटवारी अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकले। गोली चलने की आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आरोपी सुरक्षा गार्ड को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। एक सुरक्षा गार्ड फरार बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि जिस गार्ड ने गोली चलाई वह नशे में था।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक, इंदौर की विशेष अदालत ने 2023 में इस जमीन को अरबिंदो अस्पताल के पक्ष में आदेशित किया था। इसके बाद प्रशासन ने कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की लेकिन, सुरेश पटेल परिवार ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया और जबरन कब्जा बनाए रखा। रउद्ध निधि वर्मा ने बताया कि यह जमीन ईडी में अटैच है। इसके बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करवाने के आदेश दिए। आज जब प्रशासन ने कब्जा हटाने की कोशिश की तो पटेल परिवार के गार्डों ने गोली चला दी। पटेल परिवार ने यहां पर कई लोगों को जमीन बेची और उन्होंने मकान भी बना लिए। 2023 में आए फैसले के बाद से कई लोगों ने मकानों और जमीन से कब्जा हटा लिया लेकिन तीन मकानों में अभी भी लोग रह रहे हैं। इन मकानों में पटेल परिवार के परिचित गार्ड भी रहते हैं। प्रशासन के अधिकारी इन्हीं मकानों को खाली करवाने के लिए पहुंचे थे और गार्डों ने फायरिंग कर दी। घटना के दौरान पुलिस टीम भी थी लेकिन उन्होंने जवाबी फायरिंग नहीं की। एसडीएम निधि वर्मा ने कहा कि हम बाणगंगा थाने में इस मामले में केस दर्ज करवाएंगे। गोली चलाने वाले एक गार्ड को पुलिस ने पकड़ लिया है। एक की तलाश की जा रही है।

शांति बनाने और अफवाह न फैलाने की अपील की

यह घटना न केवल सरकारी अधिकारियों की सुरक्षा पर सवाल उठाती है, बल्कि कानून और व्यवस्था की स्थिति को भी चुनौती देती है। ऐसे जमीनी विवाद अक्सर हिंसक रूप ले लेते हैं, जिससे समाज में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। पुलिस और अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से अपील की है कि लोग शांति बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें। पुलिस जांच में सहयोग करें और कानून का पालन करें। यह घटना एक बार फिर हमें याद दिलाती है कि जमीनी विवाद कितने खतरनाक हो सकते हैं। इन विवादों के निपटारे के लिए एक प्रभावी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है।

अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला में बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ेंगे

भोपाल ■

शहर के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों एवं युवाओं को अभ्यास मंडल की व्याख्यान माला में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे आने वाले समय में युवाओं में समाज के विभिन्न विषयों एवं समस्याओं पर समझ विकसित हो सके एवं युवाओं का नया नेतृत्व भी तैयार हो सके। उक्त बातें आज विभिन्न महाविद्यालय के लेक्चरर ,प्रोफेसर तथा प्राचार्यो ने अभ्यास मंडल द्वारा जाल सभागृह के बोर्ड रूम में आयोजित मीटिंग में व्यक्त की।

अभ्यास मंडल द्वारा आगामी 29 अगस्त से 5 सितंबर तक आयोजित होने वाली वार्षिक व्याख्यानमाला में, युवा विद्यार्थियों को सम्मिलित करने एवं उनकी समझ बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अशासकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो राजीव झालानी ने कहा कि समाज के विभिन्न मुद्दों पर, युवाओं की समझ विकसित करने तथा आने वाले समय में, शहर में युवाओं का नया नेतृत्व तैयार हो सके, इस उद्देश्य से व्याख्यान माला में शहर के विभिन्न कालेज के प्रत्येक कॉलेज से 10 से लगाकर 20 विद्यार्थी जो विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपनी रुचि रखते हैं ऐसे विद्यार्थियों का चयन कर जोड़ने का प्रयास कर करेंगे ।प्रो वंदना जोशी ने कहा कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों की परीक्षाएं होने के उपरांत भी शहर में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय स्तर के बौद्धिक आयोजन में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को सम्मिलित करेंगे, जिससे वें अपनी समझ बढ़ा सके। विधि महाविद्यालय की डॉ अनिता परमार ने कहा कि इस व्याख्यानमाला से विधि, पत्रकारिता तथा समाज कार्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को बहुत ही लाभ होगा। डॉ योगिता मेनन कहा की कुछ विद्यार्थी कॉलेज में सामाजिक, वादविवाद, में रुचि लेते उनको अभ्यास मंडल की गतिविधी में जोड़ सकते हैं मीटिंग में डॉ अलका शर्मा, डॉ आजिंक्य डगांवकर,प्रो रीना मेनन, डॉ रुपेश कुंभज , डॉ पल्लवी अढाव सहित अनेक लोगों ने संबोधित किया। प्रारंभ में सेवानिवृत्त एडीएम श्री नारायण पाटीदार तथा रामेश्वर गुप्ता ने देवी अहिल्या के चित्र पर माल्यार्पण किया। डा माला सिंह ठाकुर ने व्याख्यान माला में आने वाले वक्ताओं की एवं विभिन्न विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन स्वप्निल व्यास ने तथा अंत में वैशाली खरे ने आभार व्यक्त किया। उपस्थिति सभी ने सामूहिक रूप से तिरंगा झंडा फहराया कर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का संकल्प लिया इस अवसर पर अशोक कोठारी, शफी शेख, मुरली खंडेलवाल, द्वारका मालवीय आदि उपस्थित थे।

इंदौर को सफाई के मामले में सूरत दे रहा टक्कर, डेढ़ माह बाद सर्वे की तैयारी

भोपाल ■

लगातार सात बार से स्वच्छता में नंबर वन का ताज पहनने वाले इंदौर को इस बार सूरत से कड़ी टक्कर मिल रही है। पिछली बार सूरत ने इंदौर के साथ स्वच्छता का पुरस्कार साझा किया था। सूरत लगातर दूसरी रैंक पर था, लेकिन पिछली बार डोर टू डोर कचरा संग्रहण सिस्टम को मजबूत कर सूरत इंदौर के समकक्ष खड़ा हो गया। इस बार आधुनिक मशीनों से सडकों की सफाई, कचरे से बिजली व खाद बनाने के काम में वह इंदौर से आगे है। डेढ़ माह बाद रैंकिंग परखने के लिए सर्वे शुरू हो सकता है, लेकिन अभी इंदौर की कुछ तैयारी नहीं है।

पिछली बार सिटीजन वाइस स्कोर में सूरत को इंदौर से छह अंक ज्यादा मिले थे। इस बार इंदौर में 311 एप से शिकायतों का निराकरण ठीक से नहीं हो पा रहा है। रैंकिंग सर्वे के लिए आने वाली टीम शहर के लोगों से भी फीडबैक लेती है। इस बार इसमे नंबर कम होने का खतरा इंदौर को हो सकता है, क्योकि शहरवासी भी मान रहे है कि पहले की तुलना में सफाई व्यवस्था कमजोर हुई है।

इन मामलों में कमजोर साबित हो रहा इंदौर

- सार्वजनिक शौचालय अब साफ नहीं रहते। उसके रखरखाव पर भी ध्यान नहीं।
- शहरवासियों में भी जागरुकता कम हुई। गलियों में कचरे के ढेर नजर आने लगे है।
-शहर की बेकलेन की सफाई व्यवस्था बिगड़ चुकी है। नालियों में गाद और गंदगी रहती है।
- शहर के नालों की सफाई ठीक से नहीं। पहले नालों को सूखाकर मैदान बना दिया गया था।

छह तरह से कचरा संग्रहण इंदौर की ताकत

इंदौर की सफाई व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत डोर टू डोर कचरा संग्रहण है। इसमें शहरवासियों की जनभागीदारी महत्वपूर्ण है। देश में इंदौर में गीले, सूखे कचरे के अलावा सेनेटरी वेस्ट, इलेक्ट्रानिक वेस्ट, कांच वेस्ट अलग-अलग कलेक्ट होकर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक पहुंचता है। सूरत ने भी इस सिस्टम पर इस बार ज्यादा मेहनत की है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव का कहना है कि आठवीं बार भी इंदौर सफाई में नंबर वन रहेगा। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन मजबूत हुआ है। इसके लिए हमने नए वाहन भी खरीदे है।

पलासिया क्षेत्र में निगम ने तोड़ दी दुकान तो सेवानिवृत्त बैंककर्मी ने कर ली आत्महत्या

भोपाल ■

इंदौर में एक बुजुर्ग व्यक्ति ने अपनी दुकान टूटने से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। वे पलासिया क्षेत्र में घर के पास एक दुकान संचालित करते थे। कुछ रहवासियों ने अवैध दुकान की शिकायत की थी। इसके बाद नगर निगम ने दुकान तोड़ डाली। आत्महत्या करने से पहले 69 वर्षीय अनिल पिता सुरेंद्र यादव ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा। इसमें कुछ रहवासियों और नगर निगम के अफसरों के नाम लिखे हैं।

अनिल यादव बैंक में नौकरी करते थे। सेवानिवृत होने के बाद वे घर के बाहर ही मिल्क पार्लर चलाते थे। परिसर में दुकान चलाने पर कुछ रहवासियों ने आपत्ति ली थी और इसकी शिकायत नगर निगम को की थी। मंगलवार को नगर निगम के अफसर आए तो अनिल ने विरोध किया, लेकिन अफसर नहीं माने। उन्होंने दुकान तोड़ दी। इससे वे दुखी हो गए।

रिटायर्ड होने के बाद खोली थी दुकान

अनिल के बेटे विक्रम ने बताया कि पिता ने बैंक से रिटायर्ड होने के बाद खुद को व्यस्त रखने के लिए मिल्क पार्लर खोला था। इसके लिए शेड लगाया था। पार्लर से वे खुद का खर्च निकाल लेते थे, लेकिन रहवासियों के आपत्ति लेने से वे तनाव में आ गए थे। जब दुकान नगर निगम ने तोड़ दी तो वे बर्दाश्त नहीं कर सके और जहरीली वस्तु खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कार में मिला युवक का शव, सिर में लगे थे चोट के निशान

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में शराब दुकान के पास एक युवक का शव कार में मिला है। उसके सिर में चोट के निशान भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय दिव्यदेव पुत्र उदयकुमार चौबे निवासी निपानिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। युवक रविवार देर रात कार से थाना क्षेत्र की शराब दुकान पर गया था। आसपास के लोगों ने पूछताछ में बताया कि जहां युवक बैठा था, वहां फर्शी से टकराकर नीचे गिर गया था, जिससे सिर में चोट आई। मदद के लिए कुछ लोग पहुंचे और उन्होंने परिवार को सूचना देने की बात कहीं तो उसने मना कर दिया। इसके बाद थोड़ी दूर चलने के बाद वह नीचे गिर गया।लोगों ने उसे ड्राइविंग सीट पर बैठा दिया। घर नहीं पहुंचने पर परिवार के सदस्य उसे फोन लगाते रहे, लेकिन फोन नहीं उठाया।

ALFAVISION OVERSEAS (INDIA) LIMITED

CIN : L67120MP1994PLC008375

Registered office :135, Old Gauri Nagar, Indore MP 452010 IN

Contact No.:9977200123, Email Id: alfavision@rediffmail.com Website :www.alfavisionoverseasindia.com

EXTRACT OF UNAUDITED STANDALONE FINANCIAL RESULT FOR THE QUARTER ENDED ON 30th JUNE,2024

(Rupees in Lakhs except EPS)

SR. No.	Particulars	STANDALONE Quarter Ended 30.06.2024 Un-audited	31.03.2024 Audited	30.06.2023 Un-audited	Year Ended 31.03.2024 Audited
1	Revenue from Operations	96.98	10.53	90.49	312.73
	Other Income	-	4.86	79.91	5.37
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	8.65	10.21	73.04	27.64
3	Net Profit/ (Loss) for the period before Tax, (after Exceptional and/or Extraordinary items)	8.65	10.21	73.04	27.64
4	Net Profit/ (Loss) for the period after Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	8.65	10.21	73.04	27.64
5	Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit/ (Loss) for the period (after Tax) and other comprehensive Income (after tax)	8.65	10.21	73.04	27.64
6	Equity Share Capital (Face value of Rs.1/-)	315.26	315.26	315.26	315.26
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Audited Balance Sheet of previous year)	-			
8	Earnings Per Share (of Rs. 1/- each) (for continuing and discontinued operations) -				
	1. Basic:	0.03	0.03	2.32	0.09
	2. Diluted:	0.03	0.03	2.32	0.09

Notes :

1. These Financial Results have been prepared in accordance with the Indian Accounting Standards (IND AS)as prescribed under Section 133 of Companies Act 2013 read with Rule 3 of the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015 relevant amendment rules thereafter. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange webiste www.bseindia.com and on the company's website www.alfavisionoverseasindia.com
2. The above unaudited Results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their meeting held on 14h August,2024.
3. The Company operates in One Segment i.e. "Organic Farming". Hence no separate segment disclosures as per IND AS -108; operating segments have been presented as such information is available in the statement .
4. The figures of the quarter ended 31st March, 2024 are balancing figures between Audited figures in respect of the full Financial Year ended 31st March, 2024 and the Unaudited published year to date figures upto 31st December, 2023 which were subject to Limited Review.
5. Previous year's figures have been regrouped/rearranged wherever necessary.

For and on behalf of the Board of Directors

Place : Indore (M.P.)

Dated : 14.08.2024

Sd /-
VISHNU PRASAD GOYAL
DIRECTOR
DIN : 00306034

कांग्रेस से दलबदल कर भाजपा में आए नेताओ को निगम मंडल से रखेंगे दूर, कार्यकर्ताओ का मनोबल रखने के लिए बन रही रणनीति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

लोकसभा चुनाव में जिस तरह से दल- बदल की वजह से भाजपा का मूल कैडर नाराज और निराश होकर घर बैठ गया, उसके बाद से भाजपा नेतृत्व होने दलबदल को प्रोत्साहन देने की नीति पर पुनर्विचार करना प्रारंभ कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी इसी तरह का फीडबैक प्राप्त हुआ था। संघ के नेतृत्व में भी भाजपा को इस मामले में आगह किया है। किसी को देखते हुए मध्य प्रदेश भाजपा भी दल बदल को लेकर बेहद सतर्कता से कम कर करेगी।

सूत्रों के अनुसार पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के नेतृत्व में गठित हुई बीजेपी जॉइनिंग कमेटी को अघोषित रूप से बंद कर दिया गया है। यही नहीं, मध्य प्रदेश में निगम और मंडलों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों में भाजपा केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आए नेताओं से दूरी बनाएगी। कार्यकताओं की सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी में जुटे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की एक दौर की बैठक हुई है। बैठक में यह तय किया गया है कि पिछली सरकार में जिस तरह से निगम और मंडल के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष और मंत्री दर्जा देकर सिंधिया समर्थकों को बड़ी संख्या में कुर्सी पर बैठाया गया था, यह नई सरकार में नहीं होगा। इसके पीछे पार्टी नेतृत्व का मानना है कि पिछली सरकार में बाहर से आए लोगों को कुर्सियों पर बैठाने से भाजपा के मूल कार्यकर्ता हतोत्साहित हुए। गौरतलब है कि सरकार में कांग्रेस से आए

नेताओं की भारी-भरकम भागीदारी के कारण वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को कार्यकताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ा, इससे निपटने के लिए पार्टी ने कई बड़े नेताओं को जिलों में भेजकर जैसे-तैसे कार्यकताओं को मनाया था। दरअसल, वर्ष 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस के 22 विधायकों के साथ भाजपा में आए थे और त्यागपत्र देने के कारण सभी सीटों पर उपचुनाव हुए थे। जो जीते, वे सभी मंत्री पद पर बरकरार रहे, जो हारे उन्हें निगम और मंडल में अध्यक्ष बनाकर मंत्री दर्जा दे दिया गया। ऐसे लोगों में इमरती देवी, रघुराज कंसाना, गिर्राज डंडोतिया, रणवीर जाटव, जसवंत जाटव, मुन्ना लाल गोयल प्रमुख हैं। इसके अलावा भी कांग्रेस पृष्ठभूमि से आए प्रदीप जायसवाल, प्रद्युम्न सिंह लोधी और राहुल लोधी को भी महत्वपूर्ण निगम में अध्यक्ष बनाया गया था। इन नियुक्तियों के कारण भाजपा कार्यकर्ता दरकिनार हो गए, लेकिन अब भाजपा ऐसा कोई घातक कदम नहीं उठाएगी। भाजपा के दिग्गजों ने यह भी तय किया है कि मंत्री दर्जा बांटने में कोई कोटा भी नहीं चलेगा। कुछ पूर्व संगठन मंत्रियों को भी पिछली सरकार में मंत्री दर्जा दिया गया था, अब उन्हें भी प्रत्यक्ष तौर पर पार्टी के लिए काम करने का निर्देश दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विचार रखा है कि इन्हें एक बार सरकार में अवसर दे दिया गया है। अब पद पाना है तो पार्टी के प्रति अपना योगदान दें और सक्रियता बढ़ाए, विशेषाधिकार अब नहीं चलेगा।